2

अभ्यास अलंकार

अभ्यास अलंकार

संस्कृत अभ्यास-पुस्तिका

द्वितीयः भागः

Bharatiya Vidya Bhavan's Sri Sankaracharya ... Mahavidyalaya
671

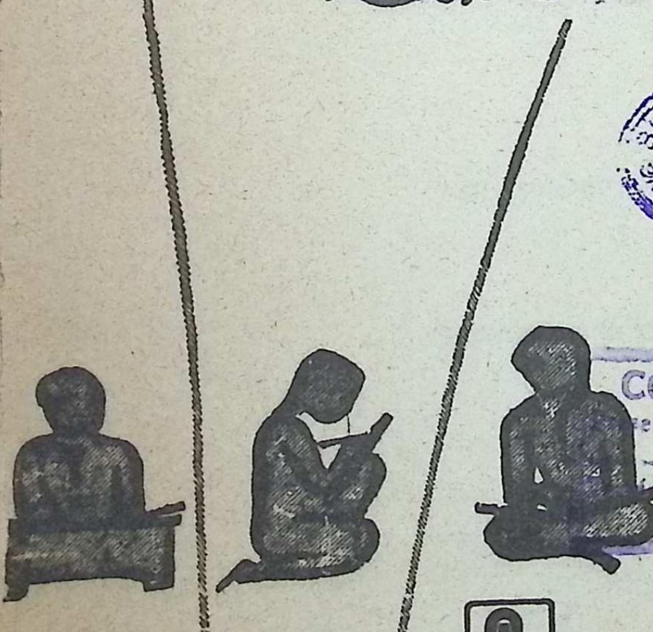

COMPLIMENTARY COPY
Presented to ....
....
...out of opinion & recommendation
NOT FOR SALE

फ्रैंक ब्रादर्स एण्ड कम्पनी दिल्ली-6

प्रकाशक:
फ्रैंक ब्रादर्स एण्ड कम्पनी (पब्लिशर्स) प्राइवेट लिमिटेड
4675-ए, अंसारी रोड, नई दिल्ली-110002
दूरभाष: 263393, 279936

IV/85, चाँदनी चौक, दिल्ली 110006
दूरभाष: 276791, 268884

प्रथम संस्करण 1971,
संशोधित संस्करण 1974,
द्वितीय संस्करण 1978
पुनर्मुद्रण 1979, 1980, 1981, 1982, 1983, 1984, 1985, 1986

© **सर्वाधिकार सुरक्षित**। इस पुस्तक का कोई भी भाग प्रकाशक की लिखित पूर्व अनुमति के बिना उद्धृत न किया जाए।

मूल्य: 7.00 रुपये

मुद्रक : अशोका आफसेट वर्कस, दिल्ली

Bhavan's Sri Sankarachary... Bharatiya Vid... Mahavidyalaya
671

दो शब्द

प्रस्तुत अभ्यास-अलंकार पुस्तिका की रचना केन्द्रीय विद्यालय संगठन के पाठ्यक्रम (Syllabus) पर आधारित है।

यद्यपि संस्कृत एक दुरूह और कठिन विषय माना जाता है तथा बाल-वृन्द इसको पढ़ने में अधिक रुचि नहीं दिखाते, फिर भी यह एक समृद्ध और अमर भाषा बनी हुई है। ऐसी अमर भाषा जिसको कुछ लोग मृत भाषा कहने लगे हैं, उसको फिर से लोक व बाल-प्रिय बनाने का भी मुख्य उद्देश्य इस पुस्तक में निहित है।

संस्कृत के कठिन व्याकरण को बड़ी कुशलता से सरल रूप में प्रस्तुत किया गया है। इस व्याकरण को सरल से कठिनता की ओर बड़े मनोरंजक ढंग से ले जाया गया है। कहीं पर भी बाल-वृन्द विषय से उकतायेगा नहीं बल्कि रुचि से अध्ययन करेगा। संस्कृत-व्याकरण के मुख्य भाग क्रमशः इन पुस्तिकाओं में विभाजित कर दिये गये हैं, जिससे बाल-बालिकायें सरलता से इस भाषा का ज्ञान प्राप्त कर सकें।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि मेरा नवीन प्रयास बाल-वृन्द के लिए लाभकारी होगा।

—लेखक

कारक
(Case)

१. कर्ता	Nominative	ने
२. कर्म	Accusative	को
३. करण	Instrumental	से, के साथ, द्वारा
४. सम्प्रदान	Dative	के लिए, को
५. अपादान	Ablative	से (अलग होने में)
६. सम्बन्ध	Genitive	का, की, के
७. अधिकरण	Locative	में. पर
८. सम्बोधन	Vocative	हे ! ओ ! अरे !

कर्ता=Nom.

संज्ञा के जिस रूप से क्रिया के करने वाले का बोध हो, वह कर्ता कारक कहलाता है। जैसे—रामः गृहं गच्छति। (**Ram** goes home.)

कर्म=Acc.

जिस वस्तु पर क्रिया के व्यापार का फल पड़े, वह कर्म कारक कहलाता है। जैसे—रामः गृह गच्छति। (Ram goes **home.**)

करण=Inst.

कर्ता जिस साधन के द्वारा क्रिया करता है, उसे करण कहते हैं। जैसे—रामः हस्तेन लिखति।

सम्प्रदान=Dat.

संज्ञा के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि क्रिया करने का उद्देश्य क्या है, वह सम्प्रदान कहलाता है। जैसे—अहम् भ्रमणाय गच्छामि।

अपादान=Abl.

संज्ञा के जिस रूप से अलग होने का बोध हो, उसे अपादान कहते हैं। जैसे—रामः अश्वात् पतति।

सम्बन्ध=Gen.

संज्ञा के जिस रूप से एक वस्तु का सम्बन्ध दूसरी वस्तु से ज्ञात हो, वह सम्बन्ध कहलाता है। जैसे—रामस्य गृहं।

अधिकरण=Loc.

संज्ञा के जिस रूप से क्रिया के आधार का बोध हो, उसे अधिकरण कहते हैं। जैसे—कूपे मण्डूकाः सन्ति।

सम्बोधन=Voc.

संज्ञा के जिस रूप से किसी को पुकारा, बुलाया या सावधान किया जाये वह सम्बोधन कहलाता है। जैसे—राम! अत्र आगच्छ।

काल
(Tense)

१. वर्तमान काल	Present Tense	रामः गच्छति
२. भूतकाल	Past Tense	रामः अगच्छत्
३. भविष्यत् काल	Future Tense	रामः गमिष्यति

लिङ्ग
(Gender)

१. पुंल्लिङ्ग	Masculine Gender	सः
२. स्त्रीलिङ्ग	Faminine Gender	सा
३. नपुंसकलिङ्ग	Neuter Gender	तत

वचन
(Number)

१. एकवचन	Singular Number	सः गच्छति
२. द्विवचन	Dual Number	तौ गच्छतः
३. बहुवचन	Plural Number	ते गच्छन्ति

अपादान
(Ablative)

संज्ञा के जिस रूप से अलग होने का वोध हो, उसे अपादान कहते हैं। जैसे :—सः अश्वात् पतति। (For the object from whom or which something is separated. Example :—He falls from the horse.)

अभ्यास

निम्नलिखित शब्दों को अपादान कारक में लिखिये (Change the following into Ablative) :—

शब्द	अपादान कारक	अर्थ
राम	रामात्	राम से
अरुण	....	....
कृषक	....	....
सरोवर	....	....
अध्यापक	....	....
शिव	....	....
बालक	....	....
विभाग	....	....
विद्यालय	....	....
जन	....	....
वानर	....	....

अकारान्त राम शब्द के पुँल्लिङ्ग में रूप :—

	एकवचन (Singular)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
प्रथमा Nom.	रामः	रामौ	रामाः
द्वितीया Acc.	रामम्	रामौ	रामान्
तृतीया Inst.	रामेण	रामाभ्याम्	रामैः
चतुर्थी Dat.	रामाय	रामाभ्याम्	रामेभ्यः
पञ्चमी Abl.	रामात्	रामाभ्याम्	रामेभ्यः
षष्ठी Gen.	रामस्य	रामयोः	रामाणाम्
सप्तमी Loc.	रामे	रामयोः	रामेषु
सम्बोधन Voc.	हे राम !	हे रामौ !	हे रामाः !

अभ्यास

इसी प्रकार देव शब्द के रूप लिखिये (Decline fully देव like राम) :—

....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

अभ्यास

पुँल्लिङ्ग में अकारान्त रजक शब्द के रूप लिखिये :—

	एकवचन (Singular)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

अभ्यास

निम्नलिखित का परिचय दीजिये (Recognise the following) :—

	शब्द	वचन	विभक्ति
देवस्य	....	....	....
देवानाम्	....	....	....
रामेषु	....	....	....
गजानाम्	....	....	....
रजकयोः	....	....	....
कृषकस्य	....	....	....
सरोवरात्	....	....	....
वनाय	....	....	....

अभ्यास

चित्रों की सहायता से वाक्य बनाइये (Make the sentences with the help of the pictures) :—

१. रमेशः ....

२. तौ ....

३. सः 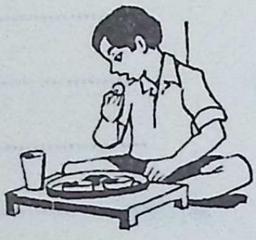 ....

४. मयूरः ....

५. बालिका ....

६. ते ....

सम्प्रदान (Dative)

संज्ञा के जिस रूप से इस बात का ज्ञान हो कि क्रिया के करने का उद्देश्य क्या है, वह सम्प्रदान कारक कहलाता है। जैसे :—सः अध्ययनाय विद्यालयं गच्छति।

[This case is (Dative) for the purpose of the action (for).
As :—They go to school for study.]

सम्बन्ध (Genitive)

संज्ञा के जिस रूप से एक वस्तु का सम्बन्ध दूसरी वस्तु से ज्ञात हो, वह सम्बन्ध कारक कहलाता है। जैसे :—सः हिमालयस्य सौन्दर्यं पश्यति।

[This case is to show the relation of possession (of).
As :—He sees the beauty of the mountain.]

अभ्यास

निम्नलिखित का परिचय दीजिये (Recognise the following) :—

	शब्द	विभक्ति	अर्थ
रामस्य	राम	षष्ठी	राम का
जनानाम्	....	....	....
देवाय	....	....	....
कृष्णात्	....	....	....
कन्दुकेन	....	....	....
वनात्	....	....	....
रामे	....	....	....

अभ्यास

निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिये (Translate the following sentences into Sanskrit) :—

१. मोहन प्रतिदिन विद्यालय जाता है।	Mohan goes to School daily.
२. वे मैदान में रोज खेलते हैं।	They play in the field daily.
३. धोबी घर जाता है।	Washerman goes home.
४. हम विद्यालय में पढ़ते हैं।	We study in School.
५. मैं मोहन के फल खाता हूँ।	I eat the fruits of (belonging to) Mohan.
६. वह राम की पुस्तक पढ़ता है।	He reads the book of Ram.
७. उमा का घर कहाँ है ?	Where is the house of Uma ?
८. वे दोनों खेत जोतते हैं।	They (two farmers) are plaughing.

....

....

....

....

....

....

....

....

पुँलिङ्ग में उकारान्त पशु शब्द के रूप (Masculine Gender ending in उ are declined as follows) :—

		एकवचन (Singular)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
प्रथमा	Nom.	पशुः	पशू	पशवः
द्वितीया	Acc.	पशुम्	पशू	पशून्
तृतीया	Inst.	पशुना	पशुभ्याम्	पशुभिः
चतुर्थी	Dat.	पशवे	पशुभ्याम्	पशुभ्यः
पञ्चमी	Abl.	पशोः	पशुभ्याम्	पशुभ्यः
षष्ठी	Gen.	पशोः	पश्वोः	पशूनाम्
सप्तमी	Loc.	पशौ	पश्वोः	पशुषु
सम्बोधन	Voc.	हे पशो !	हे पशू !	हे पशवः !

अभ्यास

इसी प्रकार भानु शब्द के रूप लिखिये (Decline fully भानु like पशु) :—

....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

अभ्यास

रिक्त स्थानों पर ठीक उत्तर लिखिए (Give the correct answers in the space provided) :—

१. रामः विद्यालयं गच्छति/रमा विद्यालयं गच्छति ।

....

२. कृषकः बीजं वपति/नृपः बीजं वपति ।

....

३. अश्वः धावति/गर्दभः धावति ।

....

४. रमेशः जलं पिबति/रमेशः फलं खादति ।

....

५. मोहनः पुस्तकं पठति/मोहनः भोजनं खादति ।

....

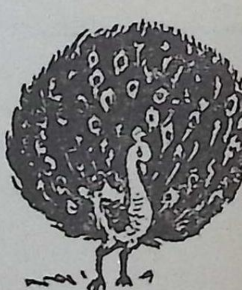

६. वानरः नृत्यति/मयूरः नृत्यति ।

....

पुँल्लिङ्ग में इकारान्त ऋषि शब्द के रूप (Masculine Gender ending in इ are declined as follows) :—

		एकवचन (Singular)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
प्रथमा	Nom.	ऋषिः	ऋषी	ऋषयः
द्वितीया	Acc.	ऋषिम्	ऋषी	ऋषीन्
तृतीया	Inst.	ऋषिणा	ऋषिभ्याम्	ऋषिभिः
चतुर्थी	Dat.	ऋषये	ऋषिभ्याम्	ऋषिभ्यः
पञ्चमी	Abl.	ऋषेः	ऋषिभ्याम्	ऋषिभ्यः
षष्ठी	Gen.	ऋषेः	ऋष्योः	ऋषीणाम
सप्तमी	Loc.	ऋषौ	ऋष्योः	ऋषिषु
सम्बोधन	Voc.	हे ऋषे !	हे ऋषी !	हे ऋषयः !

अभ्यास

इसी प्रकार अग्नि शब्द के रूप लिखिये (Decline fully अग्नि like ऋषि) :—

....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

अभ्यास

अ और ब की सहायता से पूरे वाक्य बनाइये (Make complete sentences with the help of अ and ब) :—

अ	ब
(i) आवाम् जनकेन सह	(i) पठनाय गच्छन्ति ।
(ii) अन्धकारे चन्द्रस्य	(ii) पुस्तकालयाः भवन्ति !
(iii) किं त्वम् कुक्कुरम्	(iii) अपि अस्ति ।
(iv) मेघानाम् गर्जनेन	(iv) कार्यं कुर्वन्ति ।
(v) छात्राः तापसानाम् आश्रमम्	(v) मयूराः नृत्यन्ति ।
(vi) दिवसे जनाः	(vi) प्रकाशः भवति ।
(vii) विद्यालयानां पृथक्-पृथक्	(vii) पश्यसि ।
(viii) तत्र एकः वाचनालयः	(viii) उद्यानं गच्छावः ।

....

....

....

....

....

....

....

....

स्त्रीलिङ्ग वाचक में आकारान्त प्रभा शब्द के रूप (Feminine Gender ending in आ are declined as follows) :—

		एकवचन (Singular)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
प्रथमा	Nom.	प्रभा	प्रभे	प्रभाः
द्वितीया	Acc.	प्रभाम्	प्रभे	प्रभाः
तृतीया	Inst.	प्रभया	प्रभाभ्याम्	प्रभाभिः
चतुर्थी	Dat.	प्रभायै	प्रभाभ्याम्	प्रभाभ्यः
पञ्चमी	Abl.	प्रभायाः	प्रभाभ्याम्	प्रभाभ्यः
षष्ठी	Gen.	प्रभायाः	प्रभयोः	प्रभाणाम्
सप्तमी	Loc.	प्रभायाम्	प्रभयोः	प्रभासु
सम्बोधन	Voc.	हे प्रभे !	हे प्रभे !	हे प्रभाः !

अभ्यास

इसी प्रकार 'सभा' शब्द के रूप लिखिये (Decline fully 'सभा' like 'प्रभा') :—

....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

लङ् लकार
(Past Tense)

भूतकाल :—

जो क्रिया भूतकाल (बीते हुए समय) का बोध कराये, उसे भूतकाल कहते हैं। जैसे :— रामः इन्द्रप्रस्थम् अगच्छत् ।

Past Tense :—

Past tense is used to denote an action completed in the Past.

As :—Ram went to Delhi.

लङ् लकार (Imperfect Tense)

गम् धातु

	एकवचन (Singular)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
उत्तम पुरुष 1st Person	अगच्छम्	अगच्छाव	अगच्छाम
मध्यम पुरुष 2nd Person	अगच्छः	अगच्छतम्	अगच्छत
अन्य पुरुष 3rd Person	अगच्छत्	अगच्छताम्	अगच्छन्

अभ्यास

चल् और पठ् धातु के रूप लङ् लकार में लिखिये (Conjugate चल् and पठ् in Past Perfect Tense) :—

चल् धातु

	एकवचन (Singular)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
उ० पु० 1st Person	....	....	....
म० पु० 2nd Person	....	....	....
अ० पु० 3rd Person	....	....	....

पठ् धातु

उ० पु० 1st Person	....	....	....
म० पु० 2nd Person	....	....	....
अ० पु० 3rd Person	....	....	....

अभ्यास

निम्नलिखित वाक्यों को भूतकाल में बदलिये (Change the following sentences into Past Tense) :—

१. विश्वामित्रः वनं गच्छति । ....

२. अहम् प्रतिदिनं पुस्तकं पठामि । ....

३. सः वने नित्यं धावति । ....

४. त्वम् भोजनं खादसि । ....

५. वने मयूराः नृत्यन्ति । ....

६. सः पत्रं न पठति । ....

७. युवाम् कुत्र गच्छथः ? ....

८. वयम् गृहं न गच्छामः । ....

अभ्यास

निम्नलिखित वाक्यों को वर्तमान काल में बदलिये (Change the following sentences into Past Tense) :—

१. सः वनं अगच्छत् । ....

२. सः अश्वात् अपतत् । ....

३. अहम् पुस्तकम् अपठम् । ....

४. त्वम् कुत्र अचलः ? ....

५. रामः जलम् अपिबत् । ....

६. जनाः वनं न अगच्छन् । ....

अभ्यास

निम्नलिखित वाक्यों को एकवचन में बदलिये (Change the following sentences into Singular Number) :—

(i) ते अंगने क्रीडन्ति । ....

(ii) वयम् न पठामः । ....

(iii) युवाम् कदा खेलथः । ....

(iv) तौ पाठं पठतः । ....

(v) वयं भोजनं न खादामः । ....

अभ्यास

निम्नलिखित वाक्यों को द्विवचन में बदलिये (Change the following sentences into Dual Number) :—

(i) वयं न खेलामः । ....

(ii) सः विद्यालयं कदा गच्छति ? ....

(iii) वयम् भ्रमणाय गच्छामः । ....

(iv) यूयम् कुत्र पठथ ? ....

(v) ते रामेण सह न पठन्ति । ....

अभ्यास

निम्नलिखित वाक्यों को बहुवचन में बदलिये (Change the following sentences into Plural Number) :—

(i) सः सदा विद्यालयं गच्छति । ....

(ii) कृषकः क्षेत्रे बीजं वपति । ....

(iii) अहम् वने न धावामि । ....

(iv) वानरः वने खेलति । ....

(v) पाचकः भोजनं पचति । ....

स्त्रीलिङ्ग इकारान्त मति शब्द के रूप (Feminine Nouns ending in इ are declined as follows) :—

		एकवचन (Sing.)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
प्र०	Nom.	मतिः	मती	मतयः
द्वि०	Acc.	मतिम्	मती	मतीः
तृती०	Inst.	मत्या	मतिभ्याम्	मतिभिः
चतु०	Dat.	मत्यै	मतिभ्याम्	मतिभ्यः
पञ्च०	Abl.	मत्याः	मतिभ्याम्	मतिभ्यः
षष्ठी	Gen.	मत्याः	मत्योः	मतिनाम्
सप्त०	Loc.	मत्याम्	मत्योः	मतिषु
सम्बो०	Voc.	हे मते !	हे मती !	हे मतयः !

अभ्यास

इसी प्रकार भक्ति शब्द के रूप लिखिए (Decline fully भक्ति like मति) :—

....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....

भविष्यत् काल
(Future Ten

जो क्रिया आगे आने वाले समय का बोध कराये, उसे भविष्यत् काल कहते हैं। जैसे :— अहम् गमिष्यामि।

It refers to future time. As, I shall go.

लृट् लकार (भविष्यत् काल)

गम् धातु

	एकवचन (Sing.)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
उ० पु० 1st Person	गमिष्यामि	गमिष्यावः	गमिष्यामः
म० पु० 2nd Person	गमिष्यसि	गमिष्यथः	गमिष्यथ
अ० पु० 3rd Person	गमिष्यति	गमिष्यतः	गमिष्यन्ति

अभ्यास

इसी प्रकार पठ् और भू धातु के रूप लृट् लकार में लिखिये (Conjugate पठ and भू like गम in Future Tense) :—

पठ् धातु	एकवचन (Sing)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
उ० पु० 1st Person	....	....	....
म० पु० 2nd Person	....	....	....
अ० पु० 3rd Person	....	....	....

भू धातु			
उ० पु० 1st Person	....	....	....
म० पु० 2nd Person	....	....	....
अ० पु० 3rd Person	....	....	....

पा धातु लृट् लकार (Future)

	एकवचन (Sing.)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
उ० पु० 1st Person	पास्यामि	पास्यावः	पास्यामः
म० पु० 2nd Person	....	....	....
अ० पु० 3rd Person	....	....	....

दा धातु लृट् लकार (Future)

उ० पु० 1st Person	दास्यामि	दास्यावः	दास्यामः
म० पु० 2nd Person	....	....	....
अ० पु० 3rd Person	....	....	....

स्था धातु लृट् लकार (Future)

उ० पु० 1st Person	स्थास्यामि	स्थास्यावः	स्थास्यामः
म० पु० 2nd Person	....	....	....
अ० पु० 3rd Person	....	....	....

नपुंसक लिङ्ग में अकारान्त ज्ञान शब्द के रूप (Neuter Gender ending in अ are declined as follows) :—

		एकवचन (Sing.)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
प्र०	Nom.	ज्ञानम्	ज्ञाने	ज्ञानानि
द्वि०	Acc.	ज्ञानम्	ज्ञाने	ज्ञानानि
तृ०	Inst.	ज्ञानेन	ज्ञानाभ्याम्	ज्ञानैः
च०	Dat.	ज्ञानाय	ज्ञानाभ्याम्	ज्ञानेभ्यः
पं०	Abl.	ज्ञानात्	ज्ञानाभ्याम्	ज्ञानेभ्यः
ष०	Gen.	ज्ञानस्य	ज्ञानयोः	ज्ञानानाम्
स०	Loc.	ज्ञाने	ज्ञानयोः	ज्ञानेषु
सम्बो०	Voc.	हे ज्ञान !	हे ज्ञाने !	हे ज्ञानानि !

अभ्यास

इसी प्रकार धन के रूप लिखिये (Decline fully धन like ज्ञान) :—

....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

अभ्यास

निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए (Translate the following sentences into Sanskrit) :—

१. सन्त असत्य नहीं बोलते हैं।	Sages do not tell a lie.
२. राम वन से वापस आ गए।	Rama returned from the forest.
३. भिखारी सेठ के पास गया।	A beggar went to a rich-man.
४. वह कब घर आयेगा ?	When will he come to house ?
५. वह प्रतिदिन स्कूल जाता है।	He goes to school daily.
६. रमेश कब पढ़ता है ?	When does Ramesh read ?
७. मैं एक पत्र लिखूँगा।	I will write a letter.
८. तुम कब पढ़ोगे ?	When will you read ?

१. ....

२. ....

३. ....

४. ....

५. ....

६. ....

७. ....

८. ....

अभ्यास

चित्रों के सामने उचित वाक्य लिखिए (Link the pictures with correct sentences) :—

१. पत्रवाहकः आगच्छति ।
२. सः कन्दुकेन क्रीडति ।
३. मयूरः वने नृत्यति ।
४. अहम् पुस्तकं पठामि ।
५. रजकः गच्छति ।
६. सिंहः वने गर्जति ।
७. उमा भोजनं पचति ।
८. कृषकः बीजं वपति ।

....

....

....

....

....

....

....

....

कुछ कठिन शब्द

सर्पः=साँप (snake)
मूषकः=चूहा (mouse)
मृगः=हिरन (deer)
गर्दभः=गधा (ass)
हस्तः=हाथ (hand)
चरणः=पैर (foot)
मुखम्=मुँह (mouth)
केशः=बाल (hair)
नेत्रम्=आँख (eye)
कर्णः=कान (ear)
नासिका=नाक (nose)
पत्रवाहकः=डाकिया (postman)
कुक्कुरः=कुत्ता (dog)

शृङ्गम्=सींग (horns)
मसी-पात्रम्=दवात (inkpot)
लेखनी=कलम (pen)
रक्तः=लाल (red)
पीतः=पीला (yellow)
कृष्णः=काला (black)
श्वेतः=सफेद (white)
नीलः=नीला (blue)
हरितः=हरा (green)
नृपः=राजा (king)
खड्गः=तलवार (a sword)
अनलः=आग (fire)
काकः=कौआ (crow)

अभ्यास

निम्नलिखित का परिचय दीजिये (Recognise the following) :–

	धातु	पुरुष	वचन	लकार
वसामि	वस	उ० पु०	एकवचन	लट्
अवसथ	....	....	....	....
भविष्यन्ति	....	....	....	....
अखादन्	....	....	....	....
पठिष्यामि	....	....	....	....
चलावः	....	....	....	....
पठथ	....	....	....	.. ..

सर्वनाम
(Pronoun)

पुंल्लिङ्ग में सर्व शब्द के रूप (सर्व in Masculine) :—

	एकवचन (Sing.)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
प्रथमा Nom.	सर्वः	सर्वौ	सर्वे
द्वितीया Acc.	सर्वम्	सर्वौ	सर्वान्
तृतीया Inst.	सर्वेण	सर्वाभ्याम्	सर्वैः
चतुर्थी Dat.	सर्वस्मै	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
पञ्चमी Abl.	सर्वस्मात्	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
षष्ठी Gen.	सर्वस्य	सर्वयोः	सर्वेषाम्
सप्तमी Loc.	सर्वस्मिन्	सर्वयोः	सर्वेषु

अभ्यास

इसी प्रकार तद् (वह) पुं० शब्द के रूप लिखिये (Conjugate तद् like सर्व) :—

प्रथमा (Nom.)	सः	तौ	ते
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

कुछ अन्य इसी प्रकार के सर्वनाम शब्द :—
स्व, यद्, एतद्, अदस्, किम्, अपर, इतर आदि ।

पुँल्लिङ्ग में यत् शब्द के रूप (यत् in Masculine)

यः	यौ	ये:
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

पुँल्लिङ्ग में इदम् शब्द के रूप (इदम् in Masculine)

अयम्	इमौ	इमे
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

पुँल्लिङ्ग में एतत् शब्द के रूप (एतत् in Masculine)

एषः	एतौ	एते
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

सर्व शब्द के स्त्रीलिङ्ग में रूप (Declension of सर्व in Feminine) :—

	एकवचन (Sing.)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
प्र० Nom.	सर्वा	सर्वे	सर्वाः
द्वि० Acc.	सर्वाम्	सर्वे	सर्वाः
तृ० Inst.	सर्वया	सर्वाभ्याम्	सर्वाभिः
च० Dat.	सर्वस्यै	सर्वाभ्याम्	सर्वाभ्यः
पं० Abl.	सर्वस्याः	सर्वाभ्याम्	सर्वाभ्यः
ष० Gen.	सर्वस्याः	सर्वयोः	सर्वासाम्
स० Loc.	सर्वस्याम्	सर्वयोः	सर्वासु

अभ्यास

इसी प्रकार तद् शब्द के रूप लिखिये (Decline fully तद् (स्त्री०) like सर्व) :—

प्र० Nom.	...सा...	...ते...	...ताः...
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

सर्व शब्द के नपुंसक लिङ्ग में रूप (Declension of सर्व in Neuter Gender) :—

		एकवचन (Singular)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
प्र०	Nom.	सर्वम्	सर्वे	सर्वाणि
द्वि०	Acc.	सर्वम्	सर्वे	सर्वाणि
तृ०	Inst.	सर्वेण	सर्वाभ्याम्	सर्वैः
चतु०	Dat.	सर्वस्मै	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
पं०	Abl.	सर्वस्मात्	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
षष्ठी	Gen.	सर्वस्य	सर्वयोः	सर्वेषाम्
सप्त०	Loc.	सर्वस्मिन्	सर्वयोः	सर्वेषु
सम्बो०	Voc.	हे सर्व !	हे सर्वे !	हे सर्वाणि !

अभ्यास

निम्नलिखित के रूप लिखिये (Write the following in required forms) :—

शब्द (Words)	विभक्ति (Case)	वचन (Number)	लिंग (Gender)	रूप (Forms)
तद्	पञ्चमी	एकव०	पुंल्लिङ्ग	तस्मात्
अदस्	चतुर्थी	द्विव०	पुंल्लिङ्ग	....
एतद्	षष्ठी	बहुव०	पुंल्लिङ्ग	....
यद	षष्ठी	एकव०	स्त्रीलिङ्ग	....
सर्व	द्वितीया	द्विव०	नपुं०	....
इतर	पञ्चमी	बहुव०	स्त्री०	....

अभ्यास

निम्नलिखित शब्दों के सामने लिखे कारकों में रूप लिखिए (Write the following words in the required cases) :—

शब्द (Words)	कारक (Case)	एकवचन (Sing.)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
मेघ	तृ० Inst.	....	....	....
जीव	सप्त० Loc.	....	....	....
ऋषि	पंच० Abl.	....	....	....
व्याधि	चतु० Dat.	....	....	....
प्रभु	षष्ठी Gen.	....	....	....
मति	द्वि० Acc.	....	....	....
मुनि	तृती० Inst.	....	....	....
प्रभु	सप्त० Loc.	....	....	....
शिशु	चतु० Dat.	....	....	....
पत्र	द्वि० Acc.	....	....	....

अभ्यास

निम्नलिखित धातुओं के रूप लिखिए (Conjugate the following roots) :—

		लकार	एकवचन	बहुवचन
लिख्	अ० पु० 3rd Person	लट्	लिखति	लिखन्ति
चल्	अ० पु० 3rd Person	लङ्	....	....
भू	म० पु० 2nd Person	लृट्	....	....
पठ्	अ० पु० 3rd Person	लृट्	....	....
क्रीड्	उ० पु० 1st Person	लङ्	....	....
वद्	म० पु० 2nd Person	लृट्	....	....
नम्	उ० पु० 1st Person	लट्	....	....
हस्	अ० पु० 3rd Person	लङ्	....	....

अभ्यास

निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी या इंगलिश में अनुवाद कीजिए (Translate the following sentences into Hindi or English) :—

१. अहं तव गृहम् आगमिष्यामि ।

२. तौ चन्द्रवासरे इन्द्रप्रस्थे कुत्र आस्ताम् ?

३. वयं रक्त-दुर्गं श्वः गमिष्यामः ।

४. रामः वनं अगच्छत् ।

५. सः रजकस्य गृहं न गच्छति ।

६. छात्राः क्रीडास्थले न धावन्ति ।

७. त्वम् अधुना कुत्र पठिष्यसि ?

८. यूयम् प्रतिदिनं व्यायायम् न कुरुथ ।

अभ्यास

चित्रों की सहायता से निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये (Give the answeis of the following questions with the help of the pictures given below) :—

१. तौ किं कुरुतः ? ....

२. बालकः हस्तेन किं करोति ? ....

३. कुक्कुरः किं करोति ? ....

४. एषः हस्तेन किं करोति ? ....

५. अयं कः अस्ति ? ....

६. सः किं करोति ? ....

BVBSSMV

अभ्यास

निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए (Use the following words in your own sentences) :—

यदा, तत्र, तदा, अत्र, सर्वत्र, सदा, यत्र ।

....

....

....

....

....

....

....

अभ्यास

निम्नलिखित उपसर्गों से शब्द बनाइए (Make your own words with the help of the उपसर्ग given below) :—

प्र, परा, प्रति, अनु, वि ।

यथा :—

प्र— प्रहार ....

परा— पराजय ....

प्रति— प्रतिदिन ....

अनु— अनुहार ....

वि— विहार ....

BVBSSMV

621

अभ्यास

पुंल्लिङ्ग वाचक इकारान्त व्याधि शब्द के रूप लिखिए (Decline fully व्याधि in Masculine) :—

	एकवचन (Singular)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

अभ्यास

पुंल्लिङ्ग वाचक उकारान्त तरु शब्द के रूप लिखिए (Decline fully उ ending तरु in Masculine) :—

....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

युष्मद् शब्द के रूप :—

		एकवचन (Sing.)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
प्र०	Nom.	त्वम्	युवाम्	यूयम्
द्वि०	Acc.	त्वाम्	युवाम्	युष्मान्
तृ०	Inst.	त्वया	युवाभ्याम्	युष्माभिः
चतु०	Dat.	तुभ्यम्	युवाभ्याम्	युष्मभ्यम्
पं०	Abl.	त्वत्	युवाभ्याम्	युष्मत्
षष्ठी	Gen.	तव	युवयोः	युष्माकम्
सप्त०	Loc.	त्वयि	युवयोः	युष्मासु

अभ्यास

अस्मद् शब्द के रूप :—

प्र०	Nom.	अहम्	आवाम्	वयम्
द्वि०	Acc.	माम्	आवाम्	अस्मान्
तृ०	Inst.	मया	आवाभ्याम्	अस्माभिः
चतु०	Dat.	मह्यम्	आवाभ्याम्	अस्मभ्यम्
पं०	Abl.	मत्	आवाभ्याम्	अस्मत्
षष्ठी	Gen.	मम	आवयोः	अस्माकम्
सप्त०	Loc.	मयि	आवयोः	अस्मासु

नोट :—युष्मद् और अस्मद् शब्द के रूप तीनों लिङ्गों में एक समान होते हैं।

रिक्त स्थानों में उचित शब्द (सर्वनाम) भरिये (Fill in the blanks) :—

१. ....नदीं गच्छामि।

२. किम्......................कमलिनीं पश्यसि।

३. श्रीमति इन्दिरा गांधी..................प्रधान मंत्री अस्ति।

अभ्यास

१. पाल् धातु के लङ् लकार में रूप लिखिये (Conjugate पाल in लङ् लकार – Past) : –

लङ् लकार

	एकवचन (Singular)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
....	अपालयम्	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

२. क्रुध् धातु के भविष्यत् काल (लृट् लकार) में रूप लिखिये (Conjugate क्रुध् in लृट् लकार—Future) :—

लृट् लकार

....	क्रोत्स्यामि	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

३. वद् धातु के वर्तमान काल (लट् लकार) में रूप लिखिये (Conjugate वद् in लट् लकार—Present) :—

लट् लकार

....	वदामि	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

अभ्यास

वस् धातु के लट् लकार में रूप (Conjugation of वस् in लट् लकार—Present) :—

लट् लकार

	एकवचन (Singular)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
उ० पु० 1st Person	वसामि	वसावः	वसामः
म० पु० 2nd Person	वससि	वसथः	वसथ
अ० पु० 3rd Person	वसति	वसतः	वसन्ति

इसी प्रकार रक्ष् धातु के रूप लट् लकार में लिखिए (Conjugate रक्ष् like वस्) :—

लट् लकार

....	रक्षामि	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

रक्ष् धातु के रूप लङ् लकार में लिखिये (Conjugate रक्ष् in लङ् लकार—Past) :—

लङ् लकार

....	अरक्षम्	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

एकः वानरः

द्वौ वानरौ

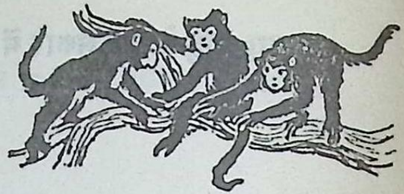

त्रयः वानराः

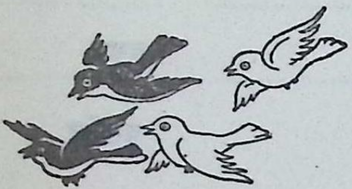

चत्वारः खगाः

पञ्च खगाः

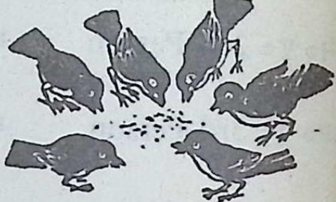

षट् खगाः

सप्त कन्दुकाः

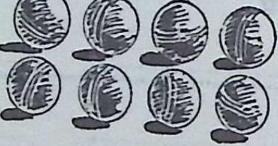

अष्ट कन्दुकाः

नव कन्दुकाः

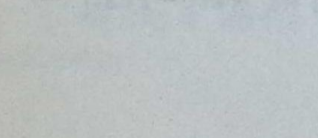

दश चषकाः

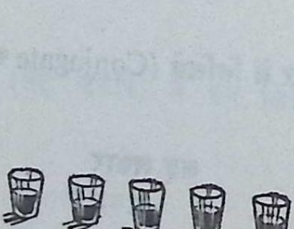

एकादश चषकाः

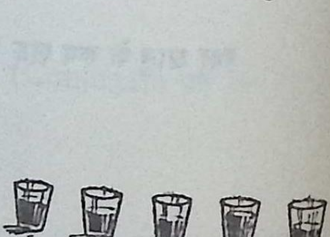

द्वादश चषकाः

पूर्ण संख्या वाचक शब्द	संख्या वाचक शब्द	अर्थ	
त्रयोदशः	त्रयोदश	तेरह	(Thirteen)
चतुर्दशः	चतुर्दश	चौदह	(Fourteen)
पंचदशः	पंचदश	पन्द्रह	(Fifteen)
षोडशः	षोडश	सोलह	(Sixteen)
सप्तदशः	सप्तदश	सत्रह	(Seventeen)
अष्टदशः	अष्टदश	अठारह	(Eighteen)
नवदशः	नवदश	उन्नीस	(Nineteen)
विंशः	विंशतिः	बीस	(Twenty)
त्रिंशः	त्रिंशत्	तीस	(Thirty)

अभ्यास

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए (Give the answers of the following questions) :—

१. वर्षे कति मासाः सन्ति ? ....

२. मासे कति दिवसाः सन्ति ? ....

३. युष्माकं गृहे कति सदस्याः सन्ति ? ....

४. युष्माकं विद्यालये कति अध्यापकाः सन्ति ? ....

५. युष्माकं परिवारे कति जनाः सन्ति ? ....

६. कति ऋतवः सन्ति ? ....

७. त्वम् कति कन्दुकैः सह क्रीडसि ? ....

८. कति नक्षत्राणि सन्ति ? ....

९. कति ग्रहाः सन्ति ? ....

१०. ब्रह्मणः कति मुखानि सन्ति ? ....

अभ्यास

नपुंसक लिङ्ग में वारि शब्द के रूप (वारि in Neuter Gender) :—

प्र० Nom.	वारि	वारिणी	वारीणि
द्वि० Acc.	वारि	वारिणी	वारीणि
तृती० Inst.	वारिणा	वारिभ्याम्	वारिभिः
चतु० Dat.	वारिणे	वारिभ्याम्	वारिभ्यः
पंच० Abl.	वारिणः	वारिभ्याम्	वारिभ्यः
षष्ठी० Gen.	वारिणः	वारिणोः	वारीणाम्
सप्त० Loc	वारिणि	वारिणोः	वारिषु
सम्बो० Voc.	वारि !	वारिणो !	वारीणि !

अभ्यास

नपुंसक लिङ्ग में इकारान्त दधि शब्द के रूप लिखिये (Decline fully इ ending दधि in Masculine) :—

....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

अभ्यास

नृत् धातु के लङ् लकार में रूप लिखिये (Conjugate नृत् in लङ् लकार—Past) :–

लङ् लकार

	एकवचन (Sing.)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
उ० पु० 1st Person	अनृत्यम्	....	....
....	....	....	....
.. ..	....	....	....

चुर् धातु के लट् लकार में रूप लिखिये (Conjugate चुर् in लट् लकार—Present) :—

लट् लकार

उ० पु० 1st Person	चोरयामि	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

इष् धातु के लृट् लकार में रूप लिखिये (Conjugate इष् in लृट्—Future) :—

उ० पु० 1st Person	एषिष्यामि	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

स्मृ—लट् लकार (Present)

	एकवचन (Sing.)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
उ० पु० 1st Person	स्मरामि	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

कृ धातु लङ् लकार (Past)

उ० पु० 1st Person	अकरवम्	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

कथ् लृट लकार (Future)

उ० पु० 1st Person	कथयिष्यामि	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

अस् धातु लट् लकार (Present)

उ० पु० 1st Person	अस्मि	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

सुभाषितानि

पढ़िये (Read the following) :—

माता शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः

न शोभते सभामध्ये हंसमध्ये वको यथा ।।

हस्तस्य भूषणं दानम्, सत्यं कण्ठस्य भूषणम् ।

श्रोत्रस्य भूषणं शास्त्रं, भूषणैः किं प्रयोजनम् ।।

अभ्यास

उपरोक्त श्लोकों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये (Explain the above श्लोकाः in your own language) :—

....

....

....

....

....

....

....

....

....

अभ्यास

निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी या इंगलिश में अनुवाद कीजिये (Translate the following sentences into Hindi or English) :—

१. सः सदा रामस्य भजनं करोति ।

२. रामः जनकस्य आज्ञां शिरोधार्यी करोति ।

३. भरतः रामस्य अनुजः आसीत् ।

४. रामः वने सीतया लक्ष्मणेन च सह न्यवसत् ।

५ सीता स्वर्णमृगम् अपश्यत् ।

६. रामः स्वर्णमृगं अन्वधावत् ।

७. सीता कुट्याम् एकाकिनी आसीत् ।

८. रावणः साधोः वेषे तत्र आगच्छत् ।

९. रावणः सीताम् अहरत् ।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

पुँल्लिङ्ग में उकारान्त भानु शब्द के रूप (Masculine gender उ ending भानु are declined as follows) :—

	एकवचन (Sing.)	द्विवचन (Dual)	बहुवचन (Plural)
प्र०	भानुः	भानू	भानवः
द्वि०	भानुम्	भानू	भानून्
तृती०	भानुना	भानुभ्याम्	भानुभिः
चतु०	भानवे	भानुभ्याम्	भानुभ्यः
पञ्च०	भानोः	भानुभ्याम्	भानुभ्यः
षष्ठी	भानोः	भान्वोः	भानूनाम्
सप्त०	भानौ	भान्वोः	भानुषु
सम्बो०	भानो !	भानू !	भानवः !

अभ्यास

इसी प्रकार गुरु शब्द के रूप लिखिये (Decline fully गुरु like भानु) :—

....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

स्वर सन्धि

दो स्वरों के मेल हो जाने पर जो परिवर्तन होता है, उसे स्वर सन्धि कहते हैं। कुछ सन्धियाँ मुख्य ये हैं :—

(i) दीर्घ सन्धि

दो ह्रस्व या दीर्घ स्वरों (इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ॠ) के मिलने से वर्ण दीर्घ हो जाता है। जैसे :—

पुस्तक + आलयः = पुस्तकालयः

शश + अङ्कः = शशाङ्कः

विद्या + आलयः = विद्यालयः

हरि + इन्द्रः = हरीन्द्रः

लक्ष्मी + ईशः = लक्ष्मीशः

लघु + उर्मि = लघूर्मि

पितृ + ऋणम् = पितॄणाम्

(ii) गुण सन्धि

जब अ या आ के बाद इ या ई आए तो दोनों के स्थान में ए तथा उ या ऊ आए तो दोनों के स्थान पर ओ हो जाता है। जैसे :—

देव + इन्द्रः = देवेन्द्रः

उमा + ईशः = उमेशः

हित + उपदेशः = हितोपदेशः

गंगा + उदकम् = गंगोदकम्

(iii) यण् सन्धि

यदि इ, उ, ऋ के सामने कोई असवर्ण स्वर आ जाये तो क्रमशः इ का य्, उ का व् और ऋ का र् हो जाता है। जैसे :—

प्रति + अक्षम् = प्रत्यक्षम्

मधु + अरिः = मध्वरिः

पितृ + आदेशः = पित्रादेशः

अभ्यास

सन्धि कीजिये (Join the following) :—

उत्तम + आशयः = ...

विधु + उदयः = ...

महा + अर्णवः = ...

सु + उत्सवः = ...

भू + उर्ध्वम् = ...

मानव + इन्द्रः = ...

गणेश + उत्सवः = ...

पीन + उरुः = ...

यदि + अपि = ...

अति + आनन्दः = ...

लघु + आश्चर्यः = ...

अभ्यास

सन्धिविच्छेद कीजिये (Dissolve the sandhi) :—

महार्णवः = ...

महाशयः = ...

रवीन्द्रः = ...

मानवेन्द्रः = ...

यमुनोर्मि = ...

मातृणम् = ...

प्रत्येकम् = ...

शब्दार्थ :—

खगः — पक्षी (bird)	कंकणम्— बंगडी (bangle)
मेघाः — बादल (clouds)	तृप्तिः — संतोष (satisfaction)
विपुलम् — बहुत (much)	पाणिः — हाथ (hand)
मन्थरम् — धीमे से (slowly)	कुलम् — वंश (family)
भारः — बोझा (burden)	कुरूपः — विरूप (ugly)
क्षेत्रपालः — किसान (Farmer)	अलसः — मन्द (lazy)
शयनम् — बिछौना (bed)	शैलः — पर्वत (mountain)
धान्यम् — अनाज (grain)	उदरम — पेट (stomach)
चौरः — चोर (a thief)	वनिता — स्त्री (woman)
चपलः — चालाक (swift)	वकः — बगुला (crane)
दुर्जनः — दुष्ट (a wicked man,	रश्मिः — किरण (ray)
सेवकः — नौकर (a servant)	वेला — समय (time)
पार्थिवः — राजा (king)	सिन्धु — समुद्र (the sea)
वाटिका — बगीचा (a small garden)	नक्षत्रम् — नक्षत्र (Star)

अभ्यास

निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग करो (Use the following words in your own sentences) :—

मेघाः, चौरः, पार्थिवः, शैलः, वकः, वेला, वाटिका ।

....

....

....

....

....

....

....

Bhavan's Sri Sankaracharya Sanskrit Mahavidyalaya ★ Bharatiya Vidya
671

वार्तालापः

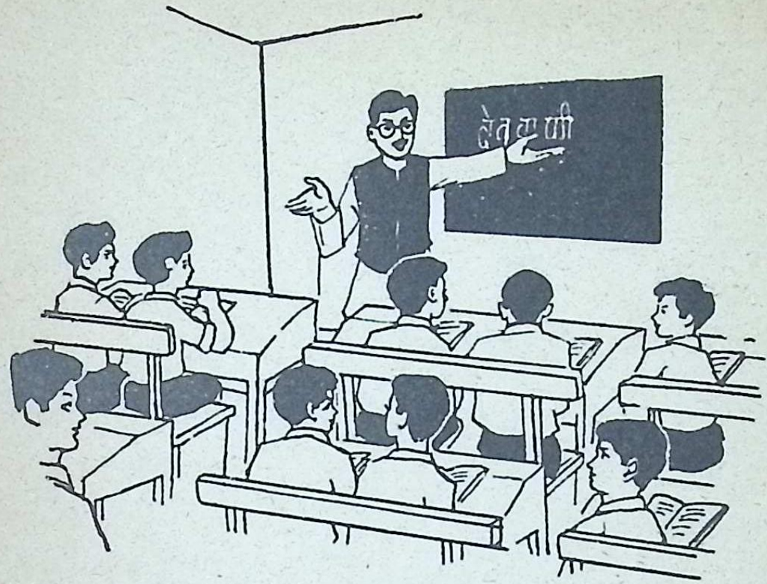

अध्यापकः—मोहन ! किम् त्वम् गृहे पठसि ?
मोहनः—आम्, श्रीमन् अहम् गृहे पठामि ।
अध्यापकः—रमेश ! त्वम् केन सह गृहम् गच्छसि ?
रमेशः—श्रीमन् ! अहम् मोहनेन सह गृहम् गच्छामि ।
अध्यापकः—सीते ! मयूराः कदा नृत्यन्ति ।
सीता—श्रीमन् ! मयूराः वर्षाकाले नृत्यन्ति ।
अध्यापकः—प्रकाश ! मन्दिरे विप्रः किं करोति ?
प्रकाशः—श्रीमन् ! विप्रः मन्दिरे पूजां करोति ।

अभ्यास

निम्नलिखित वाक्यों को एकवचन में बदलिए (Change the following sentences into Singular number) :—

१. ते पस्तकालये पठन्ति । ....
२. जनाः नेत्राभ्याम् पश्यन्ति । ....
३. वयम् हस्तेन पत्रम् लिखामः । ....
४. यूयम् मुखेन भोजनं भक्षयथ । ....
५. वीराः युद्धक्षेत्रे युध्यन्ति । ....
६. सरोवरे मत्स्याः सन्ति । ....
७. क्रीड़ांगणे बालकाः क्रीडन्ति । ....
८. धीराः न क्रुध्यन्ति । ....

Sri Sankarachary...

6456/18-VII-First/D-86

150525 6456/18-VII-First/D-86/P